



प्रलिमिंस फैक्ट: 14 अक्टूबर, 2021

- [‘पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन’ को ‘महारतन’ का दर्जा](#)
- [फलावर सॉर्पोरेशनफशि](#)

‘पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन’ को ‘महारतन’ का दर्जा 'Maharatna' Status to Power Finance Corporation

हाल ही में सरकार ने राज्य-स्वामित्व वाली ‘पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन’ (PFC) को ‘महारतन’ का दर्जा दिया है।

- इससे संबंधित आदेश वित्त मंत्रालय के तहत ‘सार्वजनिक उद्यम विभाग’ द्वारा जारी किया गया है।
- ‘पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन’ ‘महारतन’ कंपनियों की प्रतिष्ठित श्रेणी में प्रवेश करने वाली देश की 11वीं राज्य-स्वामित्व वाली इकाई बन गई है। ज्ञात हो कि इस श्रेणी में ‘पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन’ के अलावा [ओएनजीसी](#), [इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन](#), [स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड](#) (सेल) जैसी विशिष्ट कंपनियाँ शामिल हैं।

प्रमुख बिंदु

- **‘महारतन’ का दर्जा:**
 - ‘महारतन’ व्यवस्था की शुरुआत वर्ष 2010 में सार्वजनिक क्षेत्र के बड़े उद्यमों को वैश्विक दिग्विजय बनाने के उद्देश्य से की गई थी।
 - ‘केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों’ (CPSEs) का आशय उन कंपनियों से है, जिनमें केंद्र सरकार या अन्य CPSE की प्रत्यक्ष हिस्सेदारी 51% या उससे अधिक होती है।
 - ‘महारतन’ का दर्जा उस कंपनी को दिया जाता है जसिने लगातार बीते तीन वर्षों में 5,000 करोड़ रुपए से अधिक का शुद्ध लाभ प्राप्त किया है अथवा बीते तीन वर्षों के लिये उसका औसत वार्षिक कारोबार 25,000 करोड़ रुपए था या फरि बीते तीन वर्षों के लिये उसका औसत वार्षिक शुद्ध मूल्य 15,000 करोड़ रुपए है।
 - ‘केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों’ के लिये भारतीय स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध होने हेतु ‘नवरतन’ का दर्जा प्राप्त करना अनिवार्य है।
 - सरकार ने CPSEs को महारतन, नवरतन और मनीरतन का दर्जा देने के लिये मानदंड निर्धारित किये हैं।
- **पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन (PFC):**
 - वर्ष 1986 में स्थापित ‘पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन’ वदियुत मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत बजिली क्षेत्र हेतु समरपति व्यापक बुनियादी अवसंरचना वित्त कंपनी है।
- **महत्त्व**
 - **अधिक वित्तीय एवं परिचालन क्षमता:**
 - इसके पश्चात् वलिय एवं अधग्रहण संबंधी शक्तियों के अलावा ‘पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन’ एक ही परियोजना में 5,000 करोड़ रुपए या अपने नविल मूल्य का 15% तक नविश कर सकता है।
 - ‘नवरतन’ और ‘मनीरतन’ CPSEs क्रमशः 1,000 करोड़ रुपए और 500 करोड़ रुपए नविश कर सकती हैं।
 - ‘पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन’ बोर्ड कर्मियों एवं मानव संसाधन प्रबंधन तथा प्रशिक्षण से संबंधित योजनाओं की संरचना और कार्यान्वयन भी कर सकता है।
 - **प्रतिसिपर्द्धी वित्तपोषण प्रदान करना:**
 - इस नरिणय के माध्यम से ‘पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन’ बजिली क्षेत्र हेतु अधिक प्रतिसिपर्द्धी वित्त प्रदान करने में सक्षम होगी, जो ‘सभी के लिये 24x7’ सस्ती और विश्वसनीय बजिली उपलब्ध कराने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।
 - **सरकार के एजेंडा को मज़बूती:**
 - ‘महारतन’ के दर्जे के साथ प्राप्त शक्तियाँ ‘पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन’ को [राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन](#) के तहत वित्तपोषण के सरकार के एजेंडे को आगे बढ़ाने में मदद करेंगी, साथ ही इससे वर्ष 2030 तक 40% हरित ऊर्जा की राष्ट्रीय प्रतबिद्धता और 3 लाख करोड़ रुपए से अधिक के परवियय के साथ नई संशोधित वितरण क्षेत्र योजना की प्रभावी नगिरानी और कार्यान्वयन

फ्लावर स्कॉर्पयिनफशि Flower Scorpionfish

हाल ही में फ्लावर स्कॉर्पयिनफशि (Hoplosebastes Armatus) नामक मछली की एक प्रजाति (जो केवल [प्रशांत महासागर](#) में पाई जाती थी) [हृदि महासागर](#) में खोजी गई है ।

- ग्लोबल वार्मिंग के कारण **समुद्र के तापमान में वृद्धि** ने इस प्रजाति को वभिन्न क्षेत्रों में प्रवास हेतु आकर्षित किया होगा ।



प्रमुख बद्दि

■ परिचय:

- यह **रे-फनिशि मछली** के क्रम से संबंधित है जिसे **स्कॉर्पेनीफॉर्म (Scorpaeniforme)** के नाम से भी जाना जाता है ।
 - इसे लगभग एक सदी पहले वर्ष 1929 में जापान से दूर प्रशांत महासागर में खोजा गया था ।
- स्कॉर्पेनीफॉर्म या बच्चिछू मछली परिवार की मछलियाँ समुद्र के सबसे ज़हरीले जानवरों में से हैं ।
- इस प्रजाति का सरि शरीर से तुलनात्मक रूप से बड़ा और लंबा होता है ।
- प्रजातियों की **लंबाई 75-127 ममी.** तक होती है, जबकि **शरीर की चौड़ाई 14-22 ममी.** होती है ।
- स्कॉर्पयिनफशि अपने धब्बेदार रंग पैटर्न के कारण मूंगा और चट्टानी परविश के साथ पूरी तरह से घुलमलि जाती है ।

■ प्राकृतिक आवास:

- पहले यह केवल [प्रशांत महासागर](#) में पाई जाती थी लेकिन इसकी सीमा का वसितार अब उत्तर-पश्चिमी प्रशांत से हृदि महासागर तक है ।

■ स्कॉर्पेनीफॉर्मिस (Scorpaeniformes):

- इसे **मेल-चीकड फशि (Mail-Cheeked Fish)** भी कहा जाता है तथा छोटी मछलियों के समूह में से किसी एक समूह की प्रत्येक मछली के गलफड़े (Fish gill) की अस्थियों की विशेष संरचना होती है ।
- ये दुनिया के सभी महासागरों में पाई जाती हैं ।
- माना जाता है किये गर्म समुद्री जल में उत्पन्न हुए थे, लेकिन इन्होंने समशीतोष्ण और यहाँ तक कि [आर्कटिक](#) एवं [अंटार्कटिक समुद्रों](#) के साथ-साथ [उत्तरी गोलार्द्ध](#) के ताज़े जल को भी अपने नवास के लिये अनुकूल बना लिया ।